

साहित्य लड़ी-५

काव्यादर्श

(मूल तथा अनुवाद)



अनुवादक—

ब्रजरत्नदास बी. ए. (प्रयाग)

एल. एल. बी. (काशी)



प्रथम संस्करण



१६८८